

## पुनरावृत्ति कार्य-पत्र-9

पृष्ठ संख्या-255

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-

- |         |         |         |         |         |
|---------|---------|---------|---------|---------|
| 1. (ग)  | 2. (क)  | 3. (ग)  | 4. (घ)  | 5. (ख)  |
| 6. (क)  | 7. (ग)  | 8. (ख)  | 9. (क)  | 10. (ग) |
| 11. (क) | 12. (ख) | 13. (क) | 14. (घ) | 15. (ख) |
| 16. (क) | 17. (ख) | 18. (घ) |         |         |

## पुनरावृत्ति कार्य-पत्र-10

पृष्ठ संख्या-257

उत्तर-

- साड़ी:** जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक में, 'लाना' क्रिया के प्रत्यक्ष/मुख्य कर्म का प्रकार्य।
- सोना:** जातिवाचक संज्ञा (द्रव्यवाचक), पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक में, 'सस्ता होना' क्रिया के व्याकरणिक कर्ता का प्रकार्य।
- उसे:** अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्म कारक में, 'बुलाना' क्रिया के अप्रत्यक्ष कर्म का प्रकार्य।
- कुछ:** अनिश्चयवाचक परिणामवाची सर्वनाम, कर्म कारक में, 'देना' क्रिया के प्रत्यक्ष कर्म का प्रकार्य।
- अपने-आप:** निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, कर्ता कारक में, 'मैं' सर्वनाम पर बल देने का प्रकार्य।
- बड़ा:** गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, 'बेटा' विशेष्य की विशेषता बताने का प्रकार्य।
- आपकी:** सार्वनामिक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'दुकान' विशेष्य की विशेषता बताने का प्रकार्य।
- चलती:** क्रियात्मक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, 'गाड़ी' विशेष्य की विशेषता बताने का प्रकार्य।
- झुठला रहे हो:** नामिक क्रिया, मुख्य क्रिया अंश-झुठला(ना), सहायक क्रिया अंश-'रहे हो', वर्तमान काल, सातत्यबोधक पक्ष, बहुवचन (प्रयोग के आधार पर एकवचन) मध्यम पुरुष, कर्तृवाच्य, कर्तरि प्रयोग।

10. **चल-फिर सकती है** : सामासिक क्रिया, मुख्य क्रिया अंश-चल(ना) -फिर(ना), सहायक क्रिया अंश-‘सकती है’ सामर्थ्यसूचक वृत्ति, अन्य पुरुष, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्तृवाच्य, कर्तरि प्रयोग।
11. **दौड़कर** : प्रकार्यात्मक क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, ‘आना’ क्रिया के घटित होने की रीतिगत विशेषता बताने का प्रकार्य।
12. **पैदल** : रीतिवाची क्रियाविशेषण, ‘जाना’ क्रिया की रीति संबंधी विशेषता बताने का प्रकार्य।
13. **का** : संबंधबोधक अव्यय, ‘अर्णव’ तथा ‘भाई’ संज्ञा पदों के बीच संबंध बताने का प्रकार्य।
14. **या** : समानाधिकरण समुच्चयबोधक अव्यय, दो समानाधिकृत उपवाक्यों के बीच विकल्प दिखाने का प्रकार्य।
15. **छिः!** : विस्मयादिबोधक अव्यय, घृणा का भाव प्रकट करने का प्रकार्य।
16. **तो** : निपात, ‘नौकरी’ संज्ञा पद पर बल देने का प्रकार्य।